

17 hrs.

CALLING ATTENTION TO A
MATTER OF URGENT PUBLIC
IMPORTANCEBREAKDOWN OF 'C' POWER STATION IN
DELHI

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) :
मैं अविजलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित
विषय की ओर सिचाई और विद्युत् मंत्री का
ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि
वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :—

“दिल्ली के 'सी' पावर स्टेशन का
10 दिसम्बर, 1964 को खराब हो
जाना”

The Deputy Minister in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Shyam Dhar Misra): Last evening, there was an interruption in the power supply in certain areas of Delhi at 8.15 P.M. At that time the total demand on the system of Delhi Electric Supply Undertaking was 105 MW and was being met as under:

Nangal	59 MW
'C' Station	36 MW
'A' & 'B' Stations	10 MW
TOTAL:	105 MW

The interruption was due to a fault in the the Pole cable box of a feeder interconnecting 'C' Power Station with Indraprastha Sub-station. The resulting heavy fault current tripped off the three generating units in 'A', 'B' and 'C' Power stations as well as the 3 tie-lines between these power stations. The areas fed by the Nangal supply were not affected. The generating units at 'A' and 'B' Power Stations were recommissioned at 8.25 P.M. and 8.45 P.M. respectively. The generating unit at 'C' Power Station was brought back to service at 8.55 P.M. All the feeders emanating

from 'A', 'B' and 'C' Power Stations were re-energized between 8.26 P.M. and 9.00 P.M., thus restoring supply to all areas.

Last evening itself the General Manager, Chief Engineers and other officials of DESU reached the power station immediately after the interruption. I, along with the Secretary of my Ministry and senior officers of Central Water & Power Commission and Delhi Electric Supply Undertaking also visited the power station today and the place where the Cable Box gave trouble.

The faulty cable box is expected to be repaired by 8.00 P.M. to-day. The causes for the failure of the cable box are being investigated.

श्री हुकम चन्द कछवाय : दिल्ली भारत की राजधानी है। इसको ध्यान में रखते हुए दिल्ली के पावर स्टेशनों पर ऐसी गड़बड़ियां न हों, इसके लिए सरकार क्या इंतजाम कर रही है ? आए दिन इस प्रकार के जो समाचार छपते रहते हैं अखबारों में कि आज फलां क्षेत्र में बिजली बन्द रहेगी, ये समाचार न छपा करें और बिजली बन्द न हुआ करे, इसके बारे में सरकार क्या प्रबन्ध कर रही है ? जो बिजली की कमी है, इसको पूरा करने के लिए सरकार क्या करने जा रही है, यह भी बताया जाये ?

श्री श्यामधर मिश्र : जहाँ तक कमी की बात है बराबर नये पावर स्टेशन लगाये जा रहे हैं। 'ए' 'बी' व 'सी' पावर स्टेशन तथा भाखरा से अभी 140 मैगावाट प्राप्त है, उसके अलावा 125 मैगावाट का पावर स्टेशन और लगाया जा रहा है जो कि 1966-67 में लागू हो जायेगा, पूरा हो जायेगा। 15 मैगावाट का थर्मल स्टेशन एक बनाया जा रहा है जो 1965 तक लागू हो जायेगा, चालू हो जायेगा।

यह बात सही नहीं है कि आये दिन इंटरप्शन हो रही हैं, आये दिन ब्रेकडाउन की

खबरें आ रही हैं। यह पुरानी बात है, दो बरस पुरानी बात है। हम ने अभी जा कर रिकार्ड देखा है और देखने से पता चला है कि दो बरस के अन्दर पावर सप्लाई में काफी सुधार हुआ है, दिक्कतें कम हुई हैं। कल की जो घटना हुई है उस पर हमें जरूर खेद है। लेकिन इसे एक एक्सीडेंट ही माना जा सकता है। उससे पावर स्टेशन पर कोई आंच नहीं आई है। खाली एक केबल बाक्स से केबल वस्ट कर गई, उसकी रिपेयर कर दी गई है और आधे घंटे के अन्दर पावर आ गई।

श्री हुकम चन्द कल्लवाय : सावधानी कौन सी बरती जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनायें न घटें।

श्री यशपाल सिंह : (कैराना) : क्या आपने अंदाजा लगाया है कि कितना इंडस्ट्रियल लास इससे हमारे इस कैपिटल को हुआ है ?

कितने इसमें फारेन टैक्नीशियंज काम करते हैं और कितने हमारे इंडियन टैक्नीशियंज हैं जिनको ट्रेनिंग दी जा रही है ? क्या सावधानी बरती जा रही है कि आगे से इस तरह का लास न हो ?

श्री श्यामधर मिश्र : इस आधे घंटे में इंडस्ट्रियल लास कितना हुआ होगा, इसका अंदाजा तो नहीं लगाया गया है और शायद कुछ हुआ भी न हो क्योंकि फौरन उसको ठीक कर दिया गया। कितने फारेन टैक्नीशियन हैं, कितने इंडियन हैं आदि जो सूचना माननीय सदस्य चाहते हैं, वह लिख कर दें तो पूरी डिटेल्स में दे सकता हूँ।

17.05 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Monday, December 14, 1964/Agrahayana 23, 1886 (Saka).